प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
19–ए, विधान सभा मार्ग, लखनऊ।

सेवा मे,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
जनपद– कन्नौज।

पत्रांक–एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./आई.ई.सी./सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/18–19/4341 दिनांक : 19-08-19

विषय : सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा चिन्हित गैप्स/समस्याओं के निराकरण के संबंध में।

महोदय,

अवगत कराना है कि राज्य स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा दिनांक 23 जुलाई, 2019 से 26 जुलाई, 2019 तक जनपद कन्नौज में चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से भ्रमण किया गया।

भ्रमण दल द्वारा चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही सेवाओं में सुधार लाने हेतु सुझाव, सम्बंधित इकाईयों के प्रभारियों तथा जनपदीय टीम को दिये गये (विवरण संलग्नक)। कृपया भ्रमण दल द्वारा दिये गये सुझावों के सम्बंध में कृत कार्यवाही से शीघ्र ही अधोहस्ताक्षरी को अवगत करायें।

संलग्नक–यथोक्त।

भवदीया

(थमीम अंसरिया ए.)
अपर मिशन निदेशक

पत्रांक–एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./आई.ई.सी./सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/18–19/ तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. महानिदेशक प0क0, उ0प्र0, लखनऊ।
2. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, कानपुर मण्डल।
3. जिला अधिकारी/अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, कन्नौज।
4. मुख्य विकास अधिकारी, कन्नौज।
5. समस्त महाप्रबन्धक/उप महाप्रबन्धक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0, लखनऊ।
6. मण्डलीय कार्यकम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, कानपुर।
7. जिला कार्यकम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, कन्नौज।

(डॉ0 मीनाक्षी सिंह)
महाप्रबन्धक–आई0ई0सी0/नोडल कानपुर मण्डल

पर्यवेक्षण आख्या जनपद–कन्नौज
दिनांक 23.07.2019 से 26.07.2019 तक

भ्रमण टीम के सदस्य–:

1. डा0 आनंद अग्रवाल, उपमहाप्रबंधक आर.के.एस.के./क्षेत्रीय पर्यवेक्षक दल, कानपुर मण्डल।
2. सुमित सोनकर, राज्य परामर्शदाता, आई.ई.सी.,एस0पी0एम0यू0/एन0एच0एम0।

दिनांक–23.07.2019 नगरीय स्वास्थ्य केन्द्र–मौसमपुर अल्हड

- नगरीय स्वास्थ्य केन्द्र कुल्लुपुर, कन्नौज पर चिकित्सा सेवाओं हेतु पर्याप्त स्थान उपलब्ध है, प्रतिमाह 20 से 25 नार्मल डिलीवरी का लोड है,।
- हब कटर नहीं पाया गया, प्रयोग की गई सीरिंज दवाओं के खाली गत्ते में डाली जा रही थी। कलर कोडिंग वाले डस्टबिन नही पाये गये।
- Gluco meter, B.P. Instrument व स्टेथोस्कोप की दशा अच्छी पाई गई, जिसे ठीक कराने का निर्देश टीम द्वारा दिया गया।
- लैब टेक्नीशियन द्वारा खून की जांचे की जा रही हैं, अधिकांश जांचो में मलेरिया के लक्षण पाये जा रहे हैं।
- परिसर के ठीक बाहर जलभराव व गदंगी का अम्बार पाया गया।
- नगरीय स्वास्थ्य ईकाई पर बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट का कोई इंतजाम नही है। प्रसव पश्चात प्लेसेंटा को निस्तारित करने की कोई व्यवस्था नहीं है। कर्मचारियों द्वारा पास के एक गडढे में प्लेसेंटा को फेंक दिया जाता हैं जिस पर ग्रामीणों द्वारा समय–समय पर विरोध किया जाता है।
- आक्सीजन सिलेण्डर खाली पाये गये, बताया गया कि डिमाण्ड के बावजूद दो माह से आक्सीजन की आपूर्ति नहीं की गई।
- नवजात शिशुओं के लिए आवश्यक रेडिएण्ट वार्मर की आपूर्ति की जा चुकी है किन्तु इंस्टाल न होने के कारण निष्प्रयोज्य है।
- स्टोर में दवाईयों की भरमार है और बरसात के मौसम में सीलन आना प्रारम्भ हो गई है। फार्मासिस्ट द्वारा बताया गया कि दवाईयों के लिए रैक की डिमाण्ड पूर्व में दो बार की जा चुकी है किन्तु रैक की आपूर्ति नहीं की गई है।
- 102 एम्बुलेंस द्वारा मरीज अथवा प्रसूताओं को लाया व ले जाया नहीं जाता है। सभी मरीज अपने साधनों से ही आते है व रिफर किये जाने पर निजी वाहनो से ही जाते हैं।

दिनांक–24.07.2019 वी.एच.एन.डी. सत्र आंगनवाडी केंद्र, सखौली

- कार्यकर्ती के पास मात्र 20 आयरन की ब्लू गोली उपलब्ध थी। रजिस्टर एवं IEC नहीं पाया गया। कभी भी विफस की रिपोर्ट ब्लॉक कार्यालय में नहीं मांगी गई इसलिए कार्यकर्ती द्वारा उपलब्ध नहीं करवाई गई। प्रशिक्षण के सम्बन्ध में कार्यकर्ती कुछ स्पष्ट उत्तर देने में असमर्थ थी।
- आंगनवाड़ी में ही VHND सत्र होने के बावजूद ANM द्वारा आयरन की गोली खिलाये जाने हेतु किशोरियां उपस्थित नहीं थी।
- कार्यकर्ती द्वारा बताया गया कि ए.एन.सी. की जा रही है। मौके पर कोई भी पार्टिशन या पर्दा नहीं पाया गया।
- ओ.आर.एस., जिंक सत्र के दौरान नहीं पाया गया। बताया गया कि पिछले 15 दिनों से ओ.आर.एस. , जिंक समाप्त हो गया है।

प्राइमरी विद्यालय सखौली

- विफ्स कार्यक्रम के बारे में अध्यापक को न तो कोई जानकारी थी और न ही उन्होंने प्रशिक्षण में प्रतिभाग किया था। आयरन की गोली उपलब्ध थी किन्तु पंजीकृत छात्रों के सापेक्ष उपलब्ध गोलियां काफी कम थी।
- विफस रजिस्टर मात्र एक ही उपलब्ध कराया गया था जिसे भरा नहीं जा रहा था।

- किसी भी प्रकार का कोई भी IEC सामग्री उपलब्ध नहीं थी। पोस्टर, विफ्स व्यक्तिगत अनुपालन कार्ड भी उपलब्ध नहीं पाए गए।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, तिर्वा

- भ्रमण में पाया गया कि सामान्य प्रसव वाले अधिकांश लाभार्थी 48 घन्टे चिकित्सालय में नहीं रूक रहे हैं।
- प्रसव कक्ष में Colour Coded Waste bins रखे गये थे, मातृ स्वास्थ्य व प्रसव संबंधी प्रोटोकाल पोस्टर कम पाये गये ।
- बायो मेडिकल वेस्ट का डिस्पोजल सुचारु रूप से नहीं किया जा रहा था, बी.एम.डब्लू. वाहन 15 दिन में एक बार ही आता है।
- ई.सी.जी. मशीन क्रियाशील अवस्था में पायी गई लेकिन टेक्नीशियन के अभाव में ई.सी.जी. नहीं किया जा रहा था।
- स्वास्थ्य ईकाई में शिशु रोग चिकित्सक का पद रिक्त पाया गया।

आर.बी.एस.के टीम

- टीम द्वारा मूवमेंट रजिस्टर नहीं भरा जा रहा था।
- एक टीम द्वारा पिछले 3 माह से स्क्रीन किये गए लाभार्थियों का वजन एवं हाइट नहीं नापी जा रही थी।
- रजिस्टर पर पृष्ठ संख्या अंकित नहीं की गई थी। बीच–बीच में कई पृष्ठ खाली भी छोड़े गए थे। रजिस्टर में सभी कॉलम नियमानुसार नहीं भरे गए थे।
- टीम द्वारा विफ्स कार्यक्रम की न तो कोई मॉनिटरिंग की जा रही है और न ही उन्हें दिशा निर्देशों के बारे में स्पष्ट जानकारी थी जबकि टीम के दो सदस्य विफ्स का प्रशिक्षण लेकर प्रशिक्षक के रूप में सेवाएं दे चुके हैं।
- ब्लॉक में कहीं भी विफ्स अथवा निपि के पोस्टर प्रदर्शित नहीं किये गए थे।

किशोर स्वास्थ्य क्लिनिक

- क्लिनिक भीड़ से दूर एक अलग कक्ष में स्थापित किया गया है।
- क्लिनिक पर समस्त पोस्टर प्रदर्शित किये गए थे।
- काउंसलर द्वारा आउटरीच गतिविधियों हेतु मोइक्रोप्लान निर्धारित प्रारूप पर नहीं बनाया जा रहा। आउटरीच गतिविधियों के उपरान्त रजिस्टर पर गतिविधि किये जाने वाले विद्यालय के प्रभारी के हस्ताक्षर भी नहीं लिए गए हैं।
- मार्च 2019 से पूर्व की आउटरीच गतिविधियों का कोई डाटा क्लिनिक पर उपलब्ध नहीं था।
- मासिक रिपोर्ट में भरा गया डाटा रजिस्टर के डाटा से मिलान नहीं हो रहा था, जून माह की रिपोर्ट में 45 किशोर के सापेक्ष रिपोर्ट में 67 किशोर रिपोर्ट किये गए हैं।
- विफ्स रिपोर्ट का भी डाटा व्यवहारिक एवं प्रमाणिक प्रतीत नहीं होता क्यूंकि BRC,CDPO कार्यालय से प्राप्त रिपोर्ट का कोई भी बैकअप केंद्र पर नहीं मिला।
- विफ्स के पोस्टर, कार्ड एवं रजिस्टर का कोई भी डाटा CHC पर उपलब्ध नहीं था और न ही इसके बारे में कोई स्पष्ट उत्तर प्राप्त हुआ। पोस्टर क्लिनिक पर रखे हुए भी पाए गए,कार्ड्स के बारे में किसी को कोई जानकारी नहीं थी।
- किशोर स्वास्थ्य क्लिनिक हेतु भेजे गए हैंडआउट्स भी मात्र एक प्रकार के ही क्लिनिक पर पाए गए, अन्य 4 प्रकार के हैंडआउट्स के बारे में काउंसलर द्वारा कोई भी जानकारी नहीं दी गई।
- ब्लॉक से आयरन गोलियों का वितरण भी नियमानुसार नहीं किया गया है और न ही किसी प्रकार का कोई स्पष्ट अभिलेख केंद्र पर उपलब्ध था।

- उपस्थित प्रतिभागियों के हस्ताक्षर विभिन्न दिवसों में विभिन्न प्रकार से अंकित किये जाने के कारण ब्लॉक में संपन्न पीयर एजुकेटर प्रशिक्षण की उपस्थिति भी संदिग्ध प्रतीत होती है। एक ही दिन में 2 बैच एक साथ संचालित किये गए हैं और समस्त दिवसों में शतप्रतिशत उपस्थिति अंकित की गई है।
- उपस्थिति पंजिका में किसी भी अधिकारी अथवा प्रशिक्षक के हस्ताक्षर नहीं हैं और न ही रजिस्टर में पृष्ठ संख्या डाली गई है।
- बड़ा ब्लॉक होने के कारण विफ्स प्रशिक्षण के 7 बैच के प्रशिक्षण के लिए धनराशि ब्लॉक को आवंटित की गई है किन्तु प्रशिक्षण मात्र 6 बैच का ही किया गया है।

उपकेंन्द तिर्वा

- ए.एन.एम. बच्चो का टीकाकरण करती हुई मिली, ANC व अन्य परीक्षण हेतु Examination table हेतु पर्दे की कोई व्यवस्था नहीं की गई है।
- पीसीवी वैक्सीन 15 जून को सप्लाई की गई जिसकी एक्सपायरी सितम्बर माह में ही हो जायेगी।
- एम.आर., पोलियो, पी.सी.वी., पेंटावैलन्ट, आई.पी.वी. व जीरो डोस से बच्चों का टीकाकरण किया जा रहा था।
- प्रयोग की गई सीरिंज को डिस्पोज करने की व्यवस्था सही नहीं थी।

दिनांक–25.07.2019 संयुक्त जिला चिकित्सालय–कन्नौज

भ्रमण के दौरान जिला चिकित्सालय के SNCU में शिशु रोग चिकित्सक डा० मोहित से वार्ता हुई, उनके द्वारा अवगत कराया गया कि एक मात्र पीडियाट्रिशीयन होने के कारण ओ.पी.डी.के मरीज भी देखने पडते हैं, इसी कारण वर्क लोड अधिक है।

- जिला संयुक्त चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक यू.सी. चतुर्वेदी से स्वास्थ्य ईकाई की सुविधाओं को लेकर चर्चा की गई, उनके द्वारा अवगत कराया गया कि बायो मेडिकल वेस्ट को निस्तारित करने के लिए जो वाहन प्रत्येक 48 घंटे में आना चाहिये वह सप्ताह से दस दिन में भी आ जाये यह निश्चित नहीं है जिसके कारण अस्पताल में गंदगी का अम्बार लग जाता है।
- सी.एम.एस. द्वारा बताया गया कि नवीन एम.सी.एच.विंग में ओ.पी.डी. शुरू कर दी गई है और सप्ताह भर के भीतर नवीन एम.सी.एच.विंग में लेबर रूम व आपरेशन थियेटर को शिफ्ट कर दिया जायेगा।
- एम.सी.एच. विंग में सेंटल आक्सीजन प्लांट अभी शुरू नहीं हो सका है, आक्सीजन सिलेण्डर के माध्यम से उपचार दिया जा रहा है।
- चिकित्सालय में सिटी स्कैन की सुविधा को शुरू नहीं किया जा सका है।
- नवीन एम.सी.एच. विंग में लेबर रूम से अटैच वाशरूम नहीं है जिसका निर्माण कार्य जल्द शुरू करा दिया जायेगा।
- नवीन ओ.टी. में एल्बो टैप नहीं थे। माइनर ओ.टी. का दरवाजा टूटा हुआ पाया गया।
- एन.आई.सी.यू में वाश बेसिन नहीं पायी गई।
- जिला चिकित्सालय के इमरजेंसी गेट पर फर्श टूटी होने के कारण मरीजो के स्टेचर भीतर नहीं आ पा रहे थे।
- चिकित्सालय की पैथालॉजी में हब कटर नहीं पाया गया, प्रयोग की गई सीरिंज डिब्बे में रखी जा रही थी।
- चिकित्सालय के आपरेशन थिएटर में मिलने वाले शू कवर एक बार से ज्यादा बार प्रयोग किये जा रहे थे।
- आपरेशन थिएटर में इंजेक्शन पर बहुत महीन अंको में लिखी एक्सापायरी तिथियों को पढने के लिए हैंड लेंस का होना अनिवार्य पाया गया।
- आर्थो विंग के रजिस्टर के अवलोकन में पाया गया कि आर्थो सर्जरी के केस काफी समय से

नहीं लिए लिए जा रहे थे। पूछने पर पता चला कि आर्थो सर्जन डा0 देवर्षि गुप्ता के इस्तीफा दिये जाने के बाद से पद रिक्त है जिसके कारण सर्जरी का काम ठप है।

दिनांक–26.07.2019 विनोद दीक्षित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कन्नौज

केंद्र का समय प्रातः 8 बजे से 2 बजे तक है किन्तु प्रभारी अक्सर 10 बजे से पूर्व नहीं आते हैं, भ्रमण दिवस पर भी वह 11 बजे केंद्र पर आये।

किशोर स्वास्थ्य क्लिनिक

- क्लिनिक प्रथम तल पर कई अन्य गतिविधियों वाले कक्ष में स्थापित की गई है, कक्ष निजता एवं गोपनीयता सुनिश्चित नहीं करता है।
- किशोर स्वास्थ्य क्लिनिक हेतु भेजे गए हैंडआउट्स के बारे में काउंसलर द्वारा कोई भी जानकारी नहीं दी गई।
- आउटरीच गतिविधियां निर्धारित मॉइक्रोप्लान के अनुसार नहीं की जाती हैं अपनी सुविधानुसार बिना किसी सूचना एवं अनुमति के उन्हें परिवर्तित किया जाता है।
- आउटरीच गतिविधियों की रिपोर्ट फर्जी प्रतीत होती है क्यूंकि आंगनवाड़ी पर संपन्न की गई एक गतिविधि में 60 किशोरियों की उपस्थिति दर्ज की गई है जबकि विफस रिपोर्ट में ब्लॉक की शहरी 141 आंगनवाड़ियों में मात्र 60 किशोरियां ही दर्ज हैं।
- काउंसलर द्वारा आउटरीच गतिविधियों हेतु microplan निर्धारित प्रारूप पर नहीं बनाया जा रहा साथ ही मासिक रिपोर्ट में भरा गया डाटा रजिस्टर के डाटा से मिलान नहीं हो रहा था।
- विफ्स रिपोर्ट का भी डाटा व्यवहारिक एवं प्रमाणिक प्रतीत नहीं होता।
- क्यूंकि BRC एवं CDPO कार्यालय से प्राप्त रिपोर्ट का कोई भी बैकअप केंद्र पर नहीं मिला।
- क्लिनिक पर विफस एवं निपि के पोस्टर तथा केंद्र पर विफस रजिस्टर हजारों की संख्या में रखे पाए गए जिनका कोई भी ब्यौरा केंद्र पर नहीं मिला।
- काउंसलर को इन पोस्टर एवं रजिस्टर के वितरण के सम्बन्ध में कोई भी जानकारी भी नहीं थी जबकि वितरण से सम्बंधित स्पष्ट दिशा निर्देश पूर्व में प्रेषित किये जा चुके है। नियम विरुद्ध पोस्टरANM इत्यादि को वितरित किये गए हैं।
- विफ्स, निपि एवं किशोर स्वास्थ्य से सम्बंधित भेजी गई समस्त IEC तथा लॉजिस्टिक की कोई भी एंट्री ब्लॉक की स्टॉक बुक में नहीं पाई गई।
- आयरन की समस्त गोलियों लाल, नीली एवं पिंक का रिकॉर्ड नियम विरुद्ध स्टॉक बुक के एक ही पृष्ठ पर अंकित किया गया है जिसमे कोई स्पष्ट उल्लेख भी नहीं है।
- नियम विरुद्ध 28 लाख आयरन की विभिन्न गोलियां 2 माह के अंदर RBSK टीम के चिकित्सक को उपलब्ध कराई गई हैं जिनके वितरण का कोई भी प्रामाणिक एवं उचित डाटा वे उपलब्ध नहीं करवा सके।
- इंटर कॉलेजेस से विफस की कोई रिपोर्ट प्राप्त नहीं की जा रही है, ब्लॉक पर संकलित की जाने वाली विफस रिपोर्ट का कोई भी डाटा ब्लॉक पर उपलब्ध नहीं था।
- विफ्स प्रशिक्षण की उपस्थिति पंजिका में कोई भी दिनांक एवं पृष्ठ संख्या अंकित नहीं है और न ही किसी अधिकारी अथवा प्रशिक्षक के कोई भी हस्ताक्षर उस पर किये गए हैं।
- प्राप्त बिल को किसी भी अधिकृत व्यक्ति द्वारा सत्यापित नहीं किया गया है। बिल की दिनांक भी प्रशिक्षण की तिथियों से पूर्व की है जिसका भुगतान भी प्रशिक्षण के अगले दिन ही कर दिया गया है। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों की संख्या के सम्बन्ध में कोई भी स्पष्ट जानकारी केंद्र पर उपलब्ध नहीं थी।
- प्रभारी चिकित्साधिकारी द्वारा इस विषय में कोई भी स्पष्ट उत्तर नहीं दिए जाने के कारण उनकी संलिप्तता भी प्रतीत होती है।
- ब्लॉक पर उपलब्ध सहयोगात्मक पर्यवेक्षण का वाहन प्रभारी अपने पास ही रखते हैं अन्य किसी को भ्रमण के लिए ये वाहन उपलब्ध नहीं कराया जाता है। प्रभारी द्वारा हर VHND का स्वयं अवलोकन

किये जाने के बारे में बताया गया जबकि उनके द्वारा भरी गई कोई भी चेक लिस्ट अथवा आख्या उपलब्ध नहीं कराई जा सकी।

- ब्लॉक पर कार्यरत RBSK टीम की डॉ० पूजा बिना किसी सूचना के अनुपस्थित थी, संज्ञान में आया की वे अक्सर ही अनुपस्थित रहती हैं एवं उनको पूर्व में कई बार लिखित चेतावनी तथा नोटिस दिए जाने के बावजूद अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है. भ्रमण से एक दिन पूर्व भी वे अनुपस्थित थी किन्तु रजिस्टर में उनके हस्ताक्षर बनाये गए थे।

आंगनवाड़ी केंद्र, महमूदपुर पैठ

- केंद्र पर गोली,कार्ड एवं पोस्टर कुछ भी उपलब्ध नहीं थे, रजिस्टर पुराने वाले उपलब्ध थे जिसपर आयरन सिरप के उपभोग की एंट्री की जा रही थी।
- RBSK टीम केंद्र पर उपस्थित थी किन्तु उनके द्वारा किसी भी तरह की कोई समीक्षा अथवा अनुश्रवण नहीं किया गया था,टीम के मेडिकल अफसर को विफस रजिस्टर भरने के बारे में कोई भी सही जानकारी नहीं थी।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में आयोजित बैठक–

मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय के कार्यालय में समस्त RBSK मेडिकल अफसर एवं किशोर स्वास्थ्य काउंसलर की एक बैठक ली गई। बैठक में DEIC मैनेजर, RKSK जनपदीय कॉऑर्डिनेटर एवं शहरी कोऑर्डिनेटर द्वारा प्रतिभाग किया गया। बैठक में समस्त प्रतिभागियों को भ्रमण के दौरान पाई गई कमियों के बारे में बताते हुए सही दिशा निर्देशों से अवगत कराया गया और भविष्य में कार्य प्रणाली सुधारने हेतु विशेष निर्देश दिये गये।

सुमित सोनकर
परामर्शदाता, आई.ई.सी.

डा0 आनंद अग्रवाल
उपमहाप्रबंधक आर.के.एस.के.